

966
25

पत्रावली वेग उद्दे। उभय पक्ष उभय। तबसे कर्मज
मौला निर्दिष्ट ग्राम। कर्मज कर्मज के उभय पक्ष उभय
विषय जो उभय पत्रावली विषय राजा उभय पक्ष की
वधन ही गई। निर्दिष्ट उभय राजा कर्मज कर्मज
मौला राजा कर्मज की जाती है। विषय निर्दिष्ट उभय
के विषय राजा उभय पत्रावली विषय राजा पत्रावली



उपरोक्त पत्र
में जारी

किसल बुधवार को जाकर नम्बर से जम होकर बाद कभी
रहित नम्बर से जारी है।